MAU-16070301010900 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) Examination

October / November – 2016

Hindi : Core-I

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।
(२) १ से ४ तक के प्रश्न १५ अंक के है ।
(३) पाँचवा प्रश्न १० अंक का है ।

१ मैथिलीशरण गुप्त के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

अथवा

१ 'जयद्रथवध' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १५

२ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथवध' खण्ड काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

२ अर्जुन का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

३ किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''कुछ राज पाट न चाहिए, पाऊँ न क्यों मैं त्रास ही,
हे उत्तरा के धन । रहो तुम उतरा के पास ही ।''

(२) ''हे ताता तजिये सोच को, है काम ही क्या कलेश का ?
मैं द्वार उद्‌घाटित करुँगा व्यूह–बीच प्रवेश का ।''

(३) ''देकर परीक्षा आज अर्जुन । तुष्टि तुम मुसको करो,
आओ दिखाओ हस्त–कौशल, यह समर सागर नरो ?''

(४) ''मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत मानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध का प्रस्तुत सदा जानो मुझे ।''

(५) ''परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते काम है
व दुःख में पड़कर कभी पाते नहीं विश्राम है ।''

४ अभिमन्यु का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

अथवा

४ जयद्रथवध खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

५ जयद्रथवध का संक्षिप्त कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १०

अथवा

५ जयद्रथवध खण्डकाव्य में कवि द्वारा किये गये परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए । १०